11

23 AUG 2019

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 5)

निर्धारित समयः तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/19 (N-M)–M–**GS15**	अधिकतम अंकः 250 *Maximum Marks: 250*

Name: SUNIL **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): HINDI **Reg. Number:** AWAKE-19/B013

Center & Date: DELHI 23/08/19 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 7105724

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

1. भारत में रसद (लॉजिस्टिक्स) क्षेत्र को कौन-सी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? हाल के दिनों में इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये किये गए उपायों को गिनाइये। (150 शब्द) 10

What are the challenges facing the logistics sector in India? Enumerate the measures taken in recent times for giving a boost to this sector. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लॉजिस्टिक्स = इसमें परिवहन, भंडारण, वितरण, आपूर्ति प्रबंधन आदि सुविधाओं को शामिल किया जाता है

भारत में महत्व = लगभग 45 मिलियन लोगों को रोजगार देता है

चुनौतियाँ :

(i) उच्च लॉजिस्टिक लागत (GDP का लगभग 15%, जो कि वैश्विक स्तर से काफी उच्च है।)

(ii) कर प्रणाली का अनुकूल न होना।

(iii) प्रशिक्षित कामगार की कमी।

(iv) जटिल व महँगी तकनीक। आधुनिकतम तकनीकी तक पहुँच का अभाव।

(v) श्रम कानूनों की जटिलता।

(vi) एकीकृत राष्ट्रीय नीति का अभाव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(vii) अपर्याप्त डिजीटलीकरण।

(viii) मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी का अभाव।

बढ़ावा देने हेतु उपाय -

(i) राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति (Draft, 2019) तैयार किया जाना।

(ii) लॉजिस्टिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रम की शुरुआत।

(iii) राष्ट्रीय लॉजिस्टिक पोर्टल की शुरुआत।

(iv) GST द्वारा कर प्रणाली को आसान बनाया जाना।

(v) राष्ट्रीय लॉजिस्टिक कोष का गठन।

(vi) लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स (WB), लॉजिस्टिक ईज अक्रॉस डिफरेंट स्टेट (LEADS) आदि सूचकांकों द्वारा प्रतिस्पर्धा व दक्षता वृद्धि के प्रयास।

इससे Ease of doing business में भी फायदा मिलेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. शैडो बैंकिंग प्रणाली से आपका क्या अभिप्राय है? वर्तमान में भारत की शैडो बैंकिंग प्रणाली को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? (150 शब्द) 10

What do you mean by shadow banking system? What are the challenges faced by India's shadow banking system at present? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शैडो बैंकिंग प्रणाली = बैंकिंग प्रक्रिया, जो मुख्य बैंकिंग धारा के observation, Regulation से बाहर होती है।

जैसे - क्रिप्टो करेंसी।
- धनशोधन हेतु अपनाई जाने वाली प्रक्रियाएँ

ये विधाएँ वित्तीय व आर्थिक संरचना ढाँचे का भाग नहीं होती है।

चुनौतियाँ -

1) क्रिप्टोकरेंसी क्षेत्रक -
(i) वैधानिक मान्यता प्राप्त न होना।
(ii) कालेधन, धनशोधन का साधन मानना।
(iii) तकनीकी विकास का अभाव
(iv) विभिन्न क्षेत्रकों के बीच लिंकेज की कमी।
(v) प्रशिक्षित श्रमबल की कमी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(vi) अंतर्राष्ट्रीय अन्तर्संबद्धता का अभाव।

(vii) ऊर्जा उपलब्धता की कमी (प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष ऊर्जा खपत = 1150 यूनिट)

उपाय –

(i) RBI द्वारा सुभाष गर्ग समिति का गठन।

(ii) RBI के अनुसंधान विभाग द्वारा ब्लॉकचेन टेक्नोलोजी पर शोध कार्य।

(iii) शैडो बैंकिंग प्रणाली में विनियमन पर बल।
मुख्य धारा से जोड़ने ~~पर~~ को प्राथमिकता।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. भूमि उत्पादकता की बजाय सिंचाई जल उत्पादकता को प्राथमिकता देने की अपनी कुछ चुनौतियाँ हैं, जिन पर वर्तमान में ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Shifting of priority from land productivity to irrigation water productivity has its own set of challenges which need to be addressed in time. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सिंचाई जल उत्पादकता = खेत में सिंचाई में प्रयुक्त जल के अनुपात में फसल उत्पादकता।

आवश्यकता क्यों -

(i) यह भूमि उत्पादकता के अन्य घटकों - मृदा, जलवायु के साथ महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

(ii) वर्तमान में बढ़ रहा जल संकट जैसे नीति आयोग के समग्र जल प्रबंधन सूचकांक के आँकड़े

(iii) कुल जल का 80% कृषि में प्रयुक्त। इसका भी 60% चावल व गन्ने में ही प्रयुक्त।

(iv) लागत प्रभाविता बढ़ाना।

चुनौतियाँ -

(i) निरंतर जल गुणवत्ता का हो रहा ह्रास।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ii) पर्याप्त शोध की कमी कि फसल विशेष, मृदा विशेष में कितने जल की आवश्यकता होगी?

iii) किसानों का रूढ़िवादी दृष्टिकोण
पारंपरिक तरीकों पर ही बल।

iv) इस क्षेत्र में सरकारी प्रयासों की कमी।

v) प्रोत्साहनों का अभाव।

किए जा रहे प्रयास-

i) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की शुरुआत।

ii) कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से lab to land ज्ञान का विस्तार।

iii) मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना।

iv) किसानों तक औपचारिक ऋण पहुंच व्यवहार्य तकनीक अपनाने हेतु प्रोत्साहन।
जैसे KCC, RRB द्वारा ऋण।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. मॉडल कृषि भूमि पट्टेदारी अधिनियम 2016 के प्रमुख प्रावधान क्या हैं? यह भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ाने में कैसे सहायता प्रदान कर सकता है? (150 शब्द) 10

What are the key provisions of Model Agricultural Land Leasing Act 2016? How it can help in enhancing farm productivity in India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भूमि पट्टेदारी = किसानों द्वारा एक निश्चित समयावधि के लिए तय राशि के तहत कृषि भूमि को किसी कंपनी आदि को पट्टे पर देना।

भूमि, कृषि के राज्य सूची का विषय होने के कारण प्रारंभ में राज्य APMC के तहत इस पर प्रतिबंध था।

वर्तमान संदर्भ = केन्द्र द्वारा मॉडल कानून का निर्माण।

प्रावधान -

i) भूमि स्वामी को स्वामित्व सुरक्षा।

ii) पट्टेदार को पट्टे की सुरक्षा के प्रावधान।

iii) लीजिंग हेतु समझौता अनिवार्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iv) राज्य स्तर पर विवाद निवारण तंत्र का गठन।

(v) भूमि का स्वामी भूमि को गिरवी रख सकता है।

(vi) लीजिंग के समाप्त होनेपर भूमि का एक हिस्सा पट्टाधारक को देने की आवश्यकता नहीं।

लाभ -

(i) उपखंडन, उपविभाजन के कारण छोटे होते जोत आकार के कारण अवहनीय हो रही कृषि समस्या का समाधान।

(ii) कृषकों को भूमि स्वामित्व के साथ ही नियमित आय की प्राप्ति।

(iii) खाद्य प्रसंस्करण जैसी इकाइयों का विस्तार होगा।

(iv) अधिकाधिक भूमि पर कृषि → खाद्यान्न उत्पादन बढ़ेगा।

(v) औद्योगीकरण → निवेश आकर्षण बढ़ेगा। इससे किसानों की आय को दुगुना करने एवं New India @ 75 प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत के पहले मानव अंतरिक्षयान कार्यक्रम 'गगनयान' के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिये। साथ ही उन महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का भी विस्तृत वर्णन कीजिये जिन्हें भारत ने 'गगनयान' के लिये विकसित किया है। (150 शब्द) 10

Discuss the objectives and significance of India's maiden human spaceflight programme– 'Gaganyaan'. Also, enumerate the critical technologies India has developed for Gaganyaan. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गगनयान = i) 2022 तक प्रस्तावित भारत का प्रथम मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन।
ii) 3 यात्रियों (एक महिला) को low earth orbit में 5 - 7 दिनों तक रखा जाएगा।
iii) GSLV-MK III का प्रयोग।

उद्देश्य -
i) Micro gravity का अध्ययन करना।
ii) अंतरिक्ष में जैव प्रौद्योगिकी संबंधी प्रयोग करना।
iii) नवीन तकनीकी हासिल करना।
iv) GSLV की क्षमता में वृद्धि।

महत्व -
i) भविष्य में बड़े मानव मिशनों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के लिए राह तैयार होगी।
जैसे मानवयुक्त चन्द्रमा मिशन।

(ii) Space tourism बढ़ेगा।

(iii) Space mining की क्षमता बढ़ेगी।

(iv) Space diplomacy में भारत की ताकत बढ़ेगी।

(v) नवीन आँकड़ो का सृजन → दूसरे देशों पर निर्भरता कम होगी।

इस हेतु प्रौद्योगिकी -

(i) बैंगलोर में Human Space flight Research centre की स्थापना।

(ii) Space Recovery Experiment I व II, पेड अबॉर्ट टेस्ट, CARE Test आदि संपादित किया जाना।

(iii) मानव सूट निर्माण पर कार्य।

(iv) प्रशिक्षण हेतु रॉसकॉस्मॉस (रूस) के साथ समझौता।

(v) GSLV की क्षमता में वृद्धि के प्रयास व परीक्षण।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. व्यावहारिक अर्थशास्त्र भारत में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हेतु एक महत्त्वपूर्ण साधन प्रदान कर सकता है। व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

Behavioural economics can provide a valuable instrument for socio-economic change in India. Explain. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व्यावहारिक अर्थशास्त्र / नज अर्थशास्त्र

= इसमें यह माना जाता है कि अर्थव्यवस्था में छोटे-छोटे प्रोत्साहन लोगों की आदतों में व्यापक परिवर्तन ला सकते हैं। इनसे अर्थव्यवस्था की दिशा में वांछित परिवर्तन लाए जा सकते हैं।

हाल ही में इस विधा पर शोध के लिए नोबेल पुरस्कार भी दिया गया है।

भारत में महत्व -

(i) स्वच्छ भारत मिशन में लोगों के व्यवहार परिवर्तन पर बल, स्थानीय लोगों की भागीदारी पर बल, छोटे-छोटे प्रोत्साहन → इनसे स्वच्छता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कवरेज बढ़कर 96% तक हो गया है।

(ii) छोटे प्रोत्साहनों द्वारा लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया। जैसे जनधन योजना। इससे लागत बचत, लीकेज में कमी, वित्तीय समावेशन में वृद्धि जैसे लाभ प्राप्त हुए।

(iii) व्यावहारिक अर्थशास्त्र द्वारा आर्थिक गतिशीलता में वृद्धि करना संभव।

(iv) डिजीटलीकरण बढ़ने से आर्थिक क्रियाकलाप बढ़ेंगे।

(v) सामाजिक रूढ़िवादिता में कमी आएगी। महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी बढ़ेगी।

(vi) नियोक्ता प्रोत्साहित होंगे → अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण बढ़ेगा → सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ेगा।

इस संदर्भ में नज अर्थशास्त्र SDG लक्ष्य प्राप्ति में सहायक सिद्ध हो सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. आभासी मुद्राओं द्वारा प्रदत्त लाभ विवाद योग्य हो सकते हैं परंतु उनमें अंतर्निहित प्रौद्योगिकी में निश्चित रूप से उज्ज्वल संभावनाएँ समाहित हैं। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

The benefits offered by virtual currencies may be debatable but the underlying technology behind them is certainly having bright prospects. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आभासी मुद्रा = डिजीटल मुद्रा; जो क्रिप्टोग्राफी, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी व डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर विधि पर आधारित होती है।

उदाहरण= बिटकॉइन, अल्टकॉइन आदि।

आभासी मुद्राओं से -

(1) लाभ > (i) वित्तीय समावेशन मे वृद्धि।
(ii) लागत मे कमी।
(iii) पहुँच विस्तार।

(2) सीमाएँ = (i) उच्च ऊर्जा आवश्यकता।
(ii) बढती साइबर घटनाएँ।
(iii) असमानता मे वृद्धि की आशंका।
(iv) धनशोधन, कर अपवंचन मे वृद्धि
(v) किसी प्रकार का backup नहोना (जैसा कि कागजी मुद्रा के संदर्भ मे होता है)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(vi) मुद्रा मूल्य में अत्यधिक उतार-चढ़ाव।

प्रौद्योगिकी का लाभ-

i) ब्लॉकचैन तकनीकी द्वारा बैंकिंग मुक्त संचार, संप्रेषण संभव → सुरक्षा में वृद्धि होगी।

ii) बैंकिंग के अलावा अंतरिक्ष, नाभिकीय, रक्षा, जैव प्रौद्योगिकी में भी प्रयोग।

iii) 5G, AI, मशीन लर्निंग जैसी विधाओं को गति प्रदान करेगी।

iv) देश में विदेश निवेश में वृद्धि।

(v) देश की सॉफ्टवेयर क्षमता का विकास होगा। हाल ही में जारी सॉफ्टवेयर उत्पाद पर राष्ट्रीय नीति में भी इनका उल्लेख किया गया है।

अतः इसी संदर्भ में ब्लॉकचैन तकनीकी पर प्रतिबंधों का विरोध किया जा...

Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. विधिक प्रणाली को सुदृढ़ करना भारतीय नीति-निर्माताओं द्वारा किया जा सकने वाला सर्वोत्तम निवेश हो सकता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Strengthening the legal system may be the best investment Indian policymakers can make. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

एक राष्ट्र की विधिक प्रणाली व्यवस्था संचालन का आधार होती है। परंतु इसकी जीवंतता, प्रासंगिकता राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भारत में वर्तमान विधिक प्रणाली की समस्याएँ -

(i) औपनिवेशिक कानूनों की मौजूदगी व अद्यतन न किया जाना। जैसे पुलिस एक्ट 1861।

(ii) कानूनों का दोहराव होना।

(iii) कई क्षेत्रों में पर्याप्त कानूनों का अभाव। जैसे ई-कॉमर्स

(iv) कुछ जगह अति विनियमन, तो कई जगह विनियमनों की कमी के कारण स्वविवेकाधीन शक्ति का बढ़ना।

(v) साक्ष्य आधारित नीति-निर्माण न होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

किराए | उपाय-

i) डिजीटलीकरण।

ii) आँकड़ा संग्रहण।

iii) पुराने व अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त किया जाना।

iv) सरलीकरण। जैसे GST।

लाभ-

i) Ease of doing में विस्तार → देश में विदेशी निवेश बढ़ेगा।

ii) नियोक्ता व श्रमिक दोनो को लाभ। जैसे प्रस्तावित श्रम संहिताएँ।

iii) विधि द्वारा शासन के स्थान पर विधि का शासन स्थापित।

iv) लोकतांत्रिकरण व सहकारी संघवाद में वृद्धि।

v) रोजगार अवसरों में वृद्धि → देश की GDP में वृद्धि।

इसी संदर्भ में विधिक प्रणाली के सुधार पर बल दिया जाता रहा है। जैसे विधि आयोग की सिफारिशें आदि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. भारत जैसी आकांक्षी अर्थव्यवस्था सरकार तथा केंद्रीय बैंक के बीच टकराव को सहन नहीं कर सकती है। इस संबंध में हाल की विकास गतिविधियों के संदर्भ में चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

An aspiring economy like India can ill afford a tussle between the government and the central bank. Discuss in the context of recent developments. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था के वैश्वीकरण के युग में संस्थाएं व्यवस्था संचालन का आधार बनी हुई हैं। इनके बीच टकराव संघर्षों को उत्पन्न कर देता है।

वर्तमान संदर्भ: सरकार - RBI विवाद।

कारण - (i) Promt Corrective Action का मामला

(ii) RBI के अधिशेष का मामला।

(iii) भुगतान प्रणाली पर नियंत्रण को लेकर विवाद।

(iv) RBI द्वारा PSBs पर अधिक नियंत्रण की माँग

संभावित परिणाम -

(i) देश में व्यापारिक सुगमता में ह्रास → लाभ में कमी।

(ii) विदेशी निवेशकों का हतोत्साहित होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) आपसी संघर्ष के कारण पर्यवेक्षण, विनियमन में कमी → इससे घोटाले बढ़ेंगे। जैसे PNB मामला, IL&FS मामला।

(iv) बढ़ते भुगतान जोखिम के होने वाले लाभों से वंचना।

(v) जनता के विश्वास में ह्रास।

(vi) RBI की स्वायत्तता पर प्रश्नचिह्न → अर्थव्यवस्था में विचलन बढ़ेगा।

उपाय-

(i) स्वतंत्रता व जवाबदेहिता के मध्य संतुलन स्थापित करना।

(ii) सरकार - RBI सहयोग को बढ़ाना। जैसे मौद्रिक नीति समिति की भाँति एक समन्वित निकाय के माध्यम से कार्य करना।

(iii) सार्वजनिक हित को ध्यान में रखकर निर्णय लेना, न कि अपनी शक्ति विस्तार की संभावना को देखकर।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. संभावित साइबर हमलों के विरुद्ध भारत की तैयारी का मूल्यांकन कीजिये। इस संकट को रोकने के लिये किये जा सकने वाले कुछ संरक्षोपाय सुझाइये। (150 शब्द) 10

Evaluate India's preparedness against potential cyber attacks. Suggest measures that should be taken to tackle this threat. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साइबर हमले = साइबर स्पेस को क्षति पहुंचाने, दुरुपयोग आदि की मंशा से से किए गए क्रियाकलाप। जैसे वानाक्राई, पेटया आदि हमले। भारत में SBI के ATM पर हमले।

= भारत साइबर हमले की दृष्टि से 5वाँ सुभेद्य देश है (Global cyber security index)।

भारत की तैयारी -

(i) कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (CERT) का गठन।
(ii) साइबर सुरक्षा नीति (2013)।
(iii) IT Act को अद्यतन किया जाना।
(iv) NCIIPC, NCU जैसे संगठनों का निर्माण।
(v) राज्यों में साइबर सुरक्षा सेल का गठन।
(vi) इन्फोर्मेशन सिक्योरिटी टास्क फोर्स का गठन।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सीमाएँ -

i) केन्द्र - राज्य समन्वय कमजोर।

ii) विभिन्न एजेंसियों के बीच सहयोग का अभाव।

iii) प्रशिक्षित कार्यबल की कमी।

iv) निरंतर परिवर्तित होती तकनीक।

v) साइबर हमलों का भौगोलिक सीमाओं में नहीं बंधे होना।

vi) सुरक्षा मानकीकरण का अभाव।

उपाय -

i) साइबर युद्ध हेतु साइबर कमांड फोर्स का गठन।

ii) निजी क्षेत्र की भागीदारी व निवेश को प्रोत्साहित करना।

iii) भारत में ही सुरक्षा उपकरणों, तकनीक के विकास को प्रोत्साहित करना।

iv) प्रशिक्षित कार्मिकों का निर्माण।

v) साइबर सुरक्षित भारत जैसी पहलों द्वारा जन जागरूकता प्रसार में गति लाना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

11. पिछले दो दशकों में भारत के उत्कृष्ट विकास के बावजूद निम्न भुगतान तथा वेतन असमानता समावेशी विकास को प्राप्त करने की राह में महत्त्वपूर्ण बाधाएँ बनी हुई हैं। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite India's outstanding growth in the last two decades, low pay and wage inequality remain serious obstacles towards achieving inclusive growth. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समावेशी विकास की अवधारणा सभी क्षेत्रों, सभी भौगोलिक क्षेत्रों तथा सभी आर्थिक क्षेत्रों के विकास को संदर्भित करती है।

पिछले कुछ समय में भारत में

उत्कृष्ट विकास -

i) आर्थिक संवृद्धि दर का 7-9% के बीच रहना।

ii) FDI में वृद्धि।

iii) प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि।
वर्तमान स्तर = लगभग 12,6600 रु.
(चालू कीमत पर, 2018-19)

कुछ सीमाएँ -

(1) निम्न भुगतान -

a. अनौपचारिक क्षेत्र में अति न्यून भुगतान।

b. औपचारिक क्षेत्र में भी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम मजदूरी का अभाव।
• मनरेगा आदि में दी जाने वाली मजदूरी भी विभिन्न राज्यों में अलग-अलग। न्यूनतम मजदूरी का भी पालन नहीं।

(2) वेतन अंतराल
(i) ILO की रिपोर्ट = भारत में पुरुष-स्त्री वेतन अंतराल लगभग 32% है।
(ii) कुशल व अकुशल श्रमिकों के बीच वेतन अंतराल निरंतर बढ़ रहा है।
(iii) ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र में समान कार्य के लिए असमान वेतन।

नकारात्मक परिणाम-
(i) असंतुलित आर्थिक विकास।
(ii) संवृद्धि का मानव विकास में परिणत न हो पाना। जैसे HDI में भारत का 130वाँ स्थान।
(iii) प्रवसन जैसी गतिविधियों में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अनिश्चितता बढ़ाना।
वृद्धि → घरेलू कामगारों को पीती (?)।

(iv) श्रमबल भागीदारी में निरंतर कमी।

NSSO = वर्तमान LFPR = 36%।
जबकि 2015-16 में 39% था।

(v) संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन जैसे समान कार्य के लिए समान वेतन (अनुच्छेद 39)।

(vi) निम्न भुगतान + नियोक्ता-श्रमिक विवादों में वृद्धि।

(vii) सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों का असफल होना।

उपाय-

(i) समान वेतन अधिनियम, 1976 आदि का प्रभावी क्रियान्वयन।

(ii) प्रस्तावित श्रम संहिताओं का शीघ्र निर्माण।

(iii) न्यूनतम मजदूरी को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करना इस हेतु गठित अनूप सतपथी समिति की सिफारिशों को लागू करना।

(iv) डिजिटलीकरण को बढ़ावा देकर असमानताओं को कम करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

12. क्या भारत के बदलते रोज़गार परिदृश्य में देश के युवाओं को रोज़गार इच्छुक से रोज़गार सृजक में परिवर्तित करना संभव है? इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये सरकार द्वारा कौन-से कदम उठाए गए हैं? (250 शब्द) 15

Is it possible to transform India's youth from job seekers to job creators in the changing job scenario in India? What steps have been taken by the government to attain this objective? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत की वर्तमान आर्थिक प्रगति के बीच रोजगार परिदृश्य एक संक्रमणकाल से गुजर रहा है। यथा -

(i) रोजगार क्षेत्रवार संलग्नता
- कृषि = 45%
- उद्योग = 25%
- सेवा = 32%

(ii) रोजगार संलग्नता
- स्वनियोजित = 52%
- कैजुअल / अस्थायी = 30%
- स्थायी = 18%

(iii) बेरोजगारी दर = 6.1% (NSSO)

युवाओं के रोजगार इच्छुक से रोजगार सृजक में परिवर्तन में समस्याएं -

(i) आवश्यक कौशल की कमी
(ii) शिक्षा व्यवस्था में व्यावसायिकता का अभाव।
(iii) कृषि व MSME क्षेत्र में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रोजगार सृजन की संभावनाओं का दोहन न किया जाना।

(iv) पूँजी निवेश कुछ आर्थिक क्षेत्रों, पूँजी गहन क्षेत्रों तक ही सीमित।

(v) नवीन तकनीकी के साथ सामंजस्य न बैठा पाने की समस्या।

(vi) युवकों में बाजार पहुँच का अभाव।

(vii) नीतियों की अस्पष्टता व जटिलता।

(viii) परिवहन, संचार, ऊर्जा जैसी आधारभूत संरचनाओं का न्यून स्तर।

उपाय -

(i) कौशल विकास हेतु SANKALP, STRIVE, PM-कौशल विकास योजना आदि।

(ii) शिक्षा में सुधार हेतु -

a. नवीन शिक्षा नीति (DMyM, 2019)

b. उच्च शिक्षा में अनुसंधान पर बल।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

c. GIAN जैसे वैश्विक नेटवर्कों से सम्बद्धता।

d. उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम।

(iii) कृषि व MSME -

a. कृषि में स्टार्टअप को प्रोत्साहन।

b. कृषकों को उचित फसल कीमत व ऋण पहुँच द्वारा सशक्त बनाना।

c. ARYA योजना द्वारा युवाओं को आकर्षित करना।

d. MSME में cluster approach पर बल देकर लागत में कमी करके लागत प्रभावी व प्रतिस्पर्धी बनाना।

(iv) स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया की शुरुआत।

(v) कर प्रक्रिया सरलीकरण द्वारा व्यापार सुगमता को प्रोत्साहन।

(vi) गवर्नमेंट ई मार्केट प्लेस द्वारा सरकारी खरीद को सुव्यवस्थित किया जाना।

(vii) जनजातीय क्षेत्रों तक पहुँच विस्तार हेतु TRIFED को मजबूत बनाना।

(viii) प्रधानमंत्री मुद्रा योजना। की शुरुआत।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के संबंध में भारत को कौन-सी नीति तथा शासन संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है? इन बाधाओं को संबोधित करने हेतु कुछ विशेष उपायों का सुझाव दीजिये। (250 शब्द) 15

What are the policy and governance constraints faced by India in doubling farmers' income by 2022? Suggest few specific measures to address these constraints. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कृषि वर्तमान में भी भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ है, जो GDP में 15% व रोजगार क्षेत्र में 44% योगदान देती है।

इसी संदर्भ में कृषकों की आर्थिक दशा सुधार हेतु 2022 तक किसानों की आय को दुगुना करने का लक्ष्य रखा गया है।

लक्ष्यप्राप्ति में नीति तथा शासन संबंधी बाधाएँ -

(i) कृषि का राज्य सूची का विषय होना → केन्द्र-राज्य समन्वय की समस्या।

(ii) विभिन्न एजेंसियों - ATMA, NABARD, APEDA, RRB, ICAR आदि के बीच लिंकेज का अभाव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) संगठन में त्रुटियाँ। जैसे -
· समन्वयता का अभाव।
· उत्तरदायित्व व जवाबदेहिता की कमी।

(iv) सरकारी योजनाओं की पहुँच की कमी।
जैसे MSP तक अभी भी मात्र 16% किसानों की पहुँच है।

(v) पर्याप्त डाटा का अभाव → साक्ष्य आधारित नीति निर्माण की कमी।

(vi) पूँजी निवेश की बजाय अल्पकालिक उपायों पर अधिक बल। जैसे सब्सिडी, कर्जमाफी।

(vii) योजनाओं के outcome assessment की कमी।

(viii) शिकायत निवारण तंत्र का अभाव।

उपाय -

(i) केन्द्र-राज्य समन्वय हेतु अंतर्राज्यीय परिषद आदि मंचों का बेहतर प्रयोग। → कृषि में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

एकीकृत दृष्टिकोण का विकास हो सकेगा।

(ii) केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के निर्माण में राज्यों को पर्याप्त भागीदारी देना → बेहतर क्रियान्वन हो सकेगा।

(iii) डिजिटलीकरण को प्रोत्साहन → लीकेज में कमी आएगी।

- डिजिटल साक्षरता विस्तार हेतु PMGDISHA जैसी योजनाओं को गति देना।

(iv) योजनाओं को Affordable, credible, accessable बनाना, इस हेतु bottom-up approach पर बल।

(v) One size fits all के स्थान पर लाभार्थी व क्षेत्र केंद्रित दृष्टिकोण पर बल देना।

(vi) किसानों तक ऋण पहुँच हेतु संस्थाओं को मजबूत बनाना, पर्याप्त कार्यबल देना, प्रक्रियाओं को सरल बनाना।

उपरोक्त तथा अन्य प्रयास सिद्धांत आधारित समावेशी विकास में भी सहायक सिद्ध होंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के उद्देश्य को लक्षित करने के लिये बचत, निवेश एवं निर्यात का एक सुदृढ़ चक्र अतिआवश्यक है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

To achieve the objective of becoming a USD 5 trillion economy, a virtuous cycle of savings, investment and exports is required. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत द्वारा 2024-25 तक 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था निर्माण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। (वर्तमान स्तर = 2.7 ट्रिलियन डॉलर) जो न केवल आर्थिक संवृद्धि, बल्कि विकास को भी सुनिश्चित करेगा।

लक्ष्य प्राप्ति में महत्वपूर्ण कारक –

(1) बचत = a. हैरड डोमर मॉडल के अनुसार बचत निवेश का रूप लेकर पुनः आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ाती है।

= बचत का वर्तमान स्तर = लगभग 30%। इनमें घरेलू बचतों (20%) का योगदान सर्वाधिक है।

(2) निवेश = प्रकार –
a. निजी निवेश (व्यक्तिगत)
b. निजी कॉर्पोरेट निवेश
c. सरकार द्वारा निवेश
d. विदेशी निवेश

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

• वर्तमान स्तर : 32% of GDP।

(क) निवेश से रोजगार सृजन होगा।

(ख) यह सरकारी नीतियों को अधिक उदार व व्यावहारिक बनाता है।

(ग) आय वृद्धि होगी → इससे बचत को बल मिलेगा।

(घ) आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी → निर्यात बढ़ेगा → सरकार को प्राप्त राजस्व से पुन: निवेश बढ़ेगा।

(3) निर्यात -

a. वर्तमान स्तर = 20% of GDP

(क) निर्यातों में वृद्धि देश की मजबूत दक्षता व प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता दर्शाती है। इससे निवेश में वृद्धि होगी।

(ख) निर्यात बढ़ने से आय में वृद्धि होगी। इससे लोगों के पास बचत बढ़ेगी तथा वे पुन: निवेश कर सकेंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इन क्षेत्रों की समस्यायें-

(i) कमजोर बैंकिंग प्रणाली। निवेश उदासीनता होते घोटाले।
(ii) निर्यात में प्रक्रियागत जटिलताएं।
(iii) ऋण की उच्च लागत।
(iv) बचत का भौतिकी की बजाय डिजीटल / शेयर मार्केट की तरफ गमन।

उपाय-

(i) अल्पबचत योजनाओं के माध्यम से बचतों को प्रोत्साहन।
(ii) बैंकिंग सुधार। जैसे इन्द्रधनुष कार्यक्रम, EASE कार्यक्रम → बचत का निवेश में रूपांतरण अधिक सुगम हो सकेगा।
(iii) पूंजी निर्माण व क्षमता निर्माण हेतु कौशल विकास पर बल।
(iv) निर्यात सुधार हेतु-
a. निर्यात नीति (2015)
b. निर्यात मित्र एप्लीकेशन।
c. परिवहन व विपणन सहायता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति, 2018 की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिये। साथ ही किस प्रकार यह नीति भारतीय जैव ईंधन नीति के पूर्व संस्करण का उन्नत प्रारूप है, का परीक्षण भी कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the salient features of the National Policy on Biofuels 2018. Also, examine how this policy is an improvement over the earlier biofuel policy of India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2030 तक INDC लक्ष्यों व 2022 तक 175 GW नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्ति लक्ष्यों को प्राप्त करने में जैव ईंधन की भूमिका बढ़ाने पर व्यापक बल दिया जा रहा है।

जैव ईंधन = अल्प समय में तैयार होने वाला हाइड्रोकार्बन ईंधन। जैसे मैथेनॉल, DME।

जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति, 2018 -

(i) जैव ईंधन का 2 भागों में विभाजन -

a. आधारभूत जैव ईंधन = सीधे प्रयोग निर्भर जैसे मैथेनॉल।

b. द्वितीयक जैव ईंधन = प्रसंस्करण के पश्चात उपयोग। जैसे शैवाल आदि से प्राप्त।

(ii) संस्थागत संरचना -

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

a. राष्ट्रीय जैव ईंधन समन्वय समिति = अध्यक्ष = प्रधानमंत्री
कार्य = नीति का परीक्षण, पुनरीक्षण, मूल्यांकन करना।

b. राष्ट्रीय जैव ईंधन संचालन समिति = अध्यक्ष = कैबिनेट सचिव।

(iii) 2G रिफाइनरी की स्थापना पर बल।
(पंजाब के भटिंडा में ऐसी प्रथम रिफाइनरी का कार्यान्वयन)

(iv) जैव ईंधन हेतु प्रयुक्त पदार्थों के बास्केट में विस्तार। जैसे गन्ने की खोई आदि भी शामिल।

(v) सरकार द्वारा परिवहन, भंडारण आदि सुविधाओं के विकास पर प्रोत्साहन की योजना।

पूर्ववर्ती जैव ईंधन नीति से उन्नतता -

(i) मजबूत संस्थागत ढाँचे का निर्माण किया जाना → नीतियों में निश्चितता आएगी।
· प्रभावी क्रियान्वयन हो पाएगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) तकनीकी विकास पर पर्याप्त बल।
• तकनीकी के स्वदेशीकरण को प्राथमिकता।

(iii) जैव ईंधन मार्केट के विस्तार से किसानों के पास मौजूद विकल्पों का विस्तार।

(iv) जैव ईंधन को मात्र अपशिष्ट से उत्पादित करने तक सीमित न रखकर जट्रोफा आदि की खेती तक विस्तारित कर अधिक संधारणीय बनाने का प्रयास।

(v) जैव ईंधन को किसानों की आय स्रोत को दुगुना करने वाले एक कारक के रूप में प्रस्तुत करने का दृष्टिकोण।

अन्य प्रयास -

(i) राष्ट्रीय बायोगैस एवं खाद प्रबंधन कार्यक्रम।

(ii) FSSAI द्वारा RUCO (Repurpose Used cooking oil) पहल।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. भारतीय शहरों में न्यून-कार्बन परिवहन प्रणाली की आवश्यकता तथा चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। इस संबंध में सरकार द्वारा हाल ही में किये गए उपायों का उल्लेख कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the necessity and challenges of a low-carbon transport system in Indian cities. Mention the recent measures taken by the government in this regard. (250 words) 15

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this ma

न्यून कार्बन परिवहन प्रणाली = परिवहन प्रणाली, जो नवीकरणीय ऊर्जा साधनों से उत्पन्न ऊर्जा का अधिकतम प्रयोग करे तथा जैविक ईंधनों का उपयोग दक्षता पूर्ण तरीके से करे।

आवश्यकता क्यों?

(i) शहरों में वायु प्रदूषण की बढ़ती मात्रा। (ग्लोबल एनवायरमेंट आउटलुक = CO_2 की मात्रा 400 ppm को पार कर गई है।)

(ii) बढ़ते कार्बन के कारण मानव स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव → बढ़ते रोग।

(iii) मानव कार्यक्षमता में ह्रास।

(iv) शहरों का ऊष्मा द्वीप में बदलते जाना।

(v) जैव विविधता को होती क्षति।

(vi) अम्लीकरण के कारण stone

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Cancer जैसी समस्याएँ जैसे ताजमहल पर दुष्प्रभाव।

चुनौतियाँ -

(i) न्यून कार्बन परिवहन प्रणाली में पूँजी निवेश का न्यून स्तर।

(ii) प्रशिक्षित श्रम बल का अभाव।

(iii) नवीन तकनीकी तक पहुँच की कमी। महँगी तकनीक।

(iv) वाहनों न्यून कार्बन उत्सर्जक वाहनों का महँगा होना।

(v) इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अवसंरचना की कमी।

(vi) Data का अभाव → साक्ष्य आधारित नीति निर्माण व क्रियान्वयन में बाधा।

(vii) एकीकृत शहरी नीति फ्रेमवर्क का अभाव।

(viii) पर्यावरणीय क्षति को लागत में शामिल करने हेतु पर्याप्त व सशक्त तंत्र का अभाव।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

किए गए उपाय -

(i) FAME - I व II योजना द्वारा हाइब्रिड वाहनों के उत्पादन व उपयोग को बढ़ावा देना।

(ii) बैटरी क्षमता विकास हेतु एक नेशनल मिशन की शुरुआत।

(iii) बैटरी क्षेत्र में शोध को बढ़ावा। जैसे सोडियम बैटरी, ग्रेफीन बैटरी

(iv) भारत स्टेज मानकों को लागू किया जाना।

(v) प्रदूषण मापन हेतु SAFAR प्रणाली।

(vi) राष्ट्रीय स्वच्छ वायु गुणवत्ता कार्यक्रम की शुरुआत।

(vii) चार्जिंग अवसंरचना को सेवा क्षेत्र का दर्जा → प्रक्रियागत जटिलता कम होगी।

(viii) परिवहन में बायोगैस के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु SATAT योजना की शुरुआत।

उपरोक्त व अन्य प्रयास पर्यावरण प्रदूषण को कम कर SDG प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. वित्तीय दायित्व और बजट प्रबंधन (एफ.आर.बी.एम.) अधिनियम के क्रियान्वयन से भारतीय अर्थव्यवस्था में केवल शाब्दिक रूप से राजकोषीय सावधानी देखने को मिली, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं हुआ। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Enactment of Fiscal Responsibility and Budget Management (FRBM) Act has brought the Indian economy on the path of fiscal prudence only in letter but not in spirit. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

FRBM = 2003 में राजकोषीय प्रबंधन को सशक्त बनाने, उदारीकरण तथा वैश्वीकरण के साथ संतुलता बढ़ाने के लिए पारित कानून।
- 2004 में लागू।

प्रावधान -
i) 2007-08 तक राजकोषीय घाटे को 3% लाना।
ii) राजस्व घाटे को शून्य करना।

उद्देश्य -
i) निजीकरण को प्रोत्साहन (crowding out effect कम होने से)।
ii) सरकार पर बढ़ते ऋण व ब्याज दबाव को कम करना।

सफलता -
i) राजकोषीय समेकन व नियंत्रण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

में वृद्धि
iii) राजकोषीय घाटे में तुलनात्मक रूप से कमी

सीमाएँ -

i) 2007-08 की मंदी के कारण पुनः FD बढ़ गया। इससे लक्ष्य प्राप्ति नहीं हो सकी।

ii) केवल घाटा नियंत्रण पर बल, जबकि व्यापार सुगमता, कौशल विकास पर बल नहीं → अर्थव्यवस्था को वांछित गति नहीं मिल सकी।

iii) राजस्व घाटा खर्चों में कमी की बजाय पूँजीगत खर्च अधिक कम होगा → अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

iv) 2017 तक FD का स्तर 3.5% of GDP से ऊपर ही बना रहा।

v) निजी निवेश भी पर्याप्त प्रोत्साहित व वृद्धिशील नहीं रहा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कारण -

i) मांग घाटा को कम करनेवाले, आय बढ़ाने वाले पर्याप्त नहीं।

ii) मात्रात्मक नियंत्रण के अधिक प्रयास, गुणात्मक प्रभावों का आकलन नहीं।

उपाय -

i) N.K. सिंह समिति की अध्यक्षता में FRBM Review committee का गठन (2017)।

ii) FRBM को प्रतिस्थापित कर Fiscal Responsibility & Debt Managment (FRDM) Act, 2017 लाया गया।

यद्यपि इसमें निर्धारित लक्ष्यों को एक वर्ष आगे विस्थापित किया गया है, तथापि लक्ष्य प्राप्ति भारतीय अर्थव्यवस्था में सुगमता, उदारीकरण को प्रोत्साहित करेगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

18. वामपंथी अतिवाद (एल.डब्ल्यू.ई.) राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के लिये एक बड़ा संकट बना हुआ है। सुस्पष्ट कीजिये। साथ ही इस मुद्दे के समाधान हेतु सरकार द्वारा किये गए विभिन्न उपायों की भी विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Left-Wing Extremism (LWE) remains a major threat to the internal security of the country. Elucidate. Also, discuss various measures taken by the government for addressing this issue. (250 words) 15

उम्मीदवार को इ हाशिये में नहीं चाहिये। (Candidate mu write on this m

वामपंथी अतिवाद = 1967 में नक्सलबाड़ी क्षेत्र, दार्जिलिंग जिले से शुरू माओ की विचारधारा पर आधारित आंदोलन, जो संवैधानिक व्यवस्था को नकारता है तथा क्रांति के माध्यम से जनसत्ता की स्थापना की आकांक्षा रखता है।

• प्रारंभिक नेता = चारु मजूमदार, कानू सान्याल आदि।

• 2004 में CPI (माओवादी) के गठन से पुनः सशक्त हुआ।

आंतरिक सुरक्षा के लिए संकट -

(i) वामपंथी अतिवाद के कारण अलगाववाद, आतंकवाद को बढ़ावा → संघर्षों में वृद्धि।

(ii) स्वस्थ राजनैतिक संस्कृति का ह्रास → राष्ट्रीय एकीकरण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

की भावना को क्षति।

(iii) इन क्षेत्रों में विकास कार्य प्रभावित, निवेश में ह्रास → आजीविका, रोजगारी के कारण लोग मुख्य धारा से कट जा रहे है।

(iv) तस्करी, अपहरण, मादक पदार्थ विक्रय आदि घटनाओं में वृद्धि।

(v) धनशोधन, हथियारों के अवैध व्यापार को बढ़ावा।

(vi) Urban naxalism जैसी विचारधाराओं के कारण वैचारिक विक्षेप व कट्टरपंथ में वृद्धि।

(vii) सुरक्षा हेतु सुरक्षा बलों की तैनाती → संघर्ष के कारण व्यापक जानमाल की हानि।

(viii) राज्यों के बीच आपसी संघर्षों में वृद्धि। जैसे नक्सलवादियों का एक राज्य से दूसरे राज्य में भाग जाना।

सरकार के प्रयास -

(i) सुरक्षा संबंधी व्यय (SRE) योजना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

iii) पुलिस बलों के आधुनिकीकरण की योजना।

iiii) रोजगार में कौशल विकास हेतु "रोशनी", "उम्मीदी रोशनी" का कार्यक्रम योजना।

iv) SAMADHAN रणनीति।

S = रणनीति

A = एक्शन प्लान।

M = प्रेरणा व प्रशिक्षण।

v) अधिक प्रभावित क्षेत्रों में विशेष केंद्रीय सहायता (SCA) योजना।

vi) तकनीकी प्रयोग को बढ़ाना। कोबरा बटालियन का गठन।

कमियाँ -

i) अप्रभावी पुनर्वास नीति।

ii) विकास की प्रक्रिया की उपेक्षा।

iii) सामाजिक संबंधों पर कम ध्यान।

iv) स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय का अभाव।

उपाय -

i) राजनैतिक दलों द्वारा अपने संगठनों का विस्तार करना।

ii) PESA ... संरक्षण अधिनियम (2006) की प्रभावी क्रियान्वयन।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. भारतीय रक्षा क्षेत्र का स्वदेशीकरण कई संकटों का हल प्रदान कर सकता है। हालाँकि राह उतनी आसान नहीं है जितनी प्रतीत होती है। परीक्षण कीजिये।

(250 शब्द) 15

Indigenising the Indian defence sector can address multiple woes, however road is not as easy as it seems. Examine.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

एक राष्ट्र का अस्तित्व विकास के साथ सुरक्षा पर भी निर्भर करता है।

स्वदेशीकरण :- a. बाहरी तकनीक को घरेलू आवश्यकता के अनुरूप ढालना।
b. देश के भीतर विकास।

भारतीय रक्षा क्षेत्र वर्तमान में अपनी रक्षा आवश्यकताओं का 70% आयात करता है (रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट)।

रक्षा क्षेत्र के स्वदेशीकरण से लाभ-

(i) स्वदेशी तकनीक का विकास → तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त होगी।

(ii) विदेशी उपकरणों पर निर्भरता कम → रणनीतिक स्वायत्तता प्रभावित नहीं होगी।

(iii) चालू खाता घाटा को कम करने में मदद।

(iv) रक्षा स्टार्टअप को बढ़ावा →

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रोजगार में वृद्धि होगी।

(v) स्वदेशी तकनीक → साइबर सुरक्षा हमलों के प्रति सुभेद्यता कम होगी।

(vi) राष्ट्र की आवश्यकता के अनुरूप हथियारों का निर्माण संभव।

(vii) हथियार निर्यात द्वारा राजस्व प्राप्ति।

चुनौतियाँ

(i) आधुनिकतम तकनीकी तक पहुँच का अभाव।

(ii) रक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्रक का लगभग एकाधिकार, निजी क्षेत्रक की सीमित भागीदारी।

(iii) पूँजी निवेश का अभाव।

(iv) पेशेवर श्रमबल की कमी।

(v) भूमि अधिग्रहण की समस्या।

(vi) लालफीताशाही व सरकारी खरीद में स्थानीय विनिर्माताओं को वरीयता का अभाव।

(vii) अंतर्राष्ट्रीय हथियार लॉबी का दबाव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(viii) इस क्षेत्र में एकीकृत व दीर्घकालिक नीति का अभाव।

(ix) आवश्यक संसाधनों का अभाव। जैसे कच्चामाल।

किए गए प्रयास -

(i) निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने हेतु सामरिक रणनीतिक भागीदारी मॉडल के उपयोग की मंजूरी दिया जाना।

(ii) आयुध परिषद् को पुनः सक्रिय किया जाना।

(iii) रक्षा उत्पादन व नीति (Draft, 2019) को प्रस्तुत किया जाना।

(iv) मिशन रक्षा ज्ञानशक्ति द्वारा इस क्षेत्र में IPRs व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाना।

(v) प्रस्तावित permanent chairman of the chief of the staff committee द्वारा खरीद व्यवस्था में गति आएगी। इससे रक्षा की रक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

20. भारत में विधिक तथा संस्थागत तंत्र मौजूद होने के बावजूद नीति निर्माताओं के लिये आपदा प्रबंधन चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite legal and institutional mechanisms in place, disaster management continues to pose a daunting challenge for policymakers in India. Critically evaluate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आपदा प्रबंधन = आपदा से बचाव, आपदा से निपटान, प्रतिरोधक क्षमता अर्जित करने की अल्पकालिक व दीर्घकालिक रणनीतियों की एकीकृत प्रक्रिया

भारत की आपदा सुभेद्यता -

(i) आपदा प्रभावित लोगों की दृष्टि से विश्व में नवाँ ऊपर (WEF की रिपोर्ट)।

(ii) 58% क्षेत्र भूकंप (सामान्य व अधिक) से प्रभावित। NIDM की रिपोर्ट

(iii) लगभग आधे वन वनाग्नि से सुभेद्य (भारत वन स्थिति रिपोर्ट)।

मौजूदा विधिक व संस्थागत तंत्र -

(i) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम (2005)

संस्थागत ढांचा -

(A) राष्ट्रीय स्तर -

a. आपदा प्रबंधन प्रभाग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

b. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण।
c. राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति।
d. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान।
e. राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया निधि।

(B) राज्य स्तर -
a. राज्य आपदा प्रबंधन संस्थान।
b. राज्य कार्यकारिणी समिति।

(C) जिला स्तर
a. जिला आपदा प्रबंधन समिति।

iii) आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय नीति (2009)
iiii) आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना (2016)

कमियाँ / चुनौतियाँ -

i) संगठनों के बीच समन्वय का अभाव।
ii) केन्द्र - राज्य सहयोग का न्यून स्तर।
iii) आपदा मोचन बलों को पर्याप्त प्रशिक्षण का अभाव।
iv) राष्ट्रीय आपदा शमन निधि का गठन ही न किया जाना।
v) आपदा प्रबंधन में सीमित निजी क्षेत्रक भागीदारी।
vi) आपदा प्रबंधन को तकनीकात्मक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रणनीतियों के साथ संयुक्त न किया जाना।

(vii) proactive के स्थान स्थान पर Reactive प्रकार का दृष्टिकोण। जैसे चेन्नई में जलसंकट, केरल बाढ़।

(viii) तकनीकी का सीमित प्रयोग।

(ix) पर्याप्त डाटा का अभाव।

(x) जन जागरूकता विस्तार व जनता के क्षमता निर्माण पर कम ध्यान।

उपाय-

(i) बेहतर तकनीकी प्रयोग जैसे GIS प्रणाली, स्वयं सैटेलाइट (ISRO द्वारा प्रक्षेपित), HAM रेडियो।

(ii) स्थानीय आपदा के अनुसार स्थानीय नीति निर्माण।

(iii) आपदा बचाव हेतु सार्वजनिक राहत/आश्रय स्थलों का निर्माण।

(iv) Best practices को अपनाना। जैसे जापानी तरीका निर्माण का अनुकूल (भूकंप बचाव हेतु)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation